

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी.वी.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

सी.वी.जी.-001 : संस्कृत में गणितीय परम्परा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड-क

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए : 4×20=80

- (i) त्रैराशिक नियम की व्याख्या कीजिए।
- (ii) जैनकालीन गणित का विस्तृत विवेचन कीजिए।
- (iii) वर्ग एवं घन की परिभाषा तथा स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

- (iv) संख्यास्थानानि एवं संख्यासारणि प्रणाली को सविस्तार समझाइए।
- (v) प्राचीन भारत में रेखागणित एवं बीजगणित का विकास किस प्रकार हुआ ? उल्लेख कीजिए।
- (vi) ज्योतिषशास्त्र का परिचय देते हुए याजुष ज्योतिष की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$$4 \times 5 = 20$$

- (i) अनन्त
- (ii) घनमूल की भागविधि
- (iii) यवनप्रचारितमानम्
- (iv) भार परिमाण
- (v) अंकगणित
- (vi) संकलित (योग)

× × × × × × ×